

2.11.2020

कमील कशे के उजस्थित/कहल कमील
उकप पक्षकाराण का मगर फिला गला
पजावली का उवलोकन फिला गला
प्रार्थना पत्र दिनांक 22.3.2012 साफल
रमेश चन्द की उतर से पेश की गई
है रमेश चन्द की उतर से दिनांक 23.3.12
को एक प्रार्थना पत्र पेश हुआ कि
रमेश चन्द का स्वर्वास दिनांक
6.5.2011 को हो चुका है किन्तु
वारी द्वारा मूल दावा से मूलक
रमेश चन्द के विधिक प्रतिनिधियों



रिकार्ड पर लिये जाने की कार्यवाही नहीं की है विधिगत कार्रवाई को रिकार्ड पर लेने की म्याद भी निकल चुकी है। उम्मेद उनका भी प्रार्थना पत्र मूल रिकार्ड की दस्तखत से सम्बन्धित है।

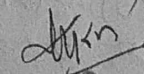
न्यायालय द्वारा अग्रार्थी नं. 1 व 2 द्वारा विना इतराथ पेश किये शीघ्र अग्रार्थी नं. 3 से मिलकर निम्न विधिगत तरीके से न्यायालय द्वारा अग्रार्थी को जानकारी मिलने पर यह प्रार्थना पत्र अदालत पेश किया जिले न्यायालय द्वारा अग्रार्थी नं. 3 को निम्नवाया किन्तु अग्रार्थी नं. 3 ने अडिशन की अवहेलना करते हुये पालना करने में व्यक्तिगत कार्य लेकर आगवा हो रहा है। जबकि अडिशन की पालना 08.21.1999 के प्रावधानों के अनुसार न्यायालय द्वारा कराई जाती है। अग्रार्थी याग ने निर्णय दिनांक 12.2.99 के वास्तविकता को धुपकर कपट से प्रणव किया है। उम्मेद निर्णय की पालना भी नहीं करवाई जा सकती है। उम्मेद श्रमि इ शतमुशर जागीर श्रमि है। प्रार्थी द्वारा अग्रार्थी नं. 1 व 2 से कभी भी विवादित श्रमिकों को छाल दर लाल लगाव पर नहीं की प्रार्थी विवादित आश्रीपात पर श्वारेकट जरिफि पेजीकृत त्रिलेख से रिकार्ड पर आया है। प्रार्थना पत्र स्वीकार किया जाकर निर्णय दिनांक 12.2.99 की पालना निरस्त की जाकर विधिगत तरीके से निष्पादन कार्यवाही से प्रार्थी की आपत्तिकों को सुनवाई करने के अडिशन दिये जावे। अग्रार्थी याग ने जवाब प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर प्रार्थी के प्रार्थना पत्र को अस्वीकार करते हुये कथन किया है कि यह प्रार्थना पत्र श्रेष्ठ पन्द की ओर से पेश किया गया है श्रमिकों के पत्रों उनके खास अडिशन किन्तु श्रमि एवं कर रहे हैं उम्मेद श्रेष्ठ पन्द के

फैल होने में जानकारी रही होगी लेकिन
उन्हेने इस प्रार्थना पत्र से प्रार्थी रमेशचन्द्र
के कपम मुकाम फलाने का प्रार्थना पत्र
022 R 4 CPC प्रेष नहीं किया और गलत
तरीके से गलत अनाधिकार तौर पर
यह आवेदन प्रेष किया है जो स्वयं ही
रेविट हो चुका है। उसके रिविजिन
वैरिफाई का प्रार्थना पत्र भी प्रेष नहीं
हुआ और आवेदन से कोई कार्यवाही
शेष नहीं है। प्रार्थना पत्र रखाविज
किया जावे।

यह वकील उग्रपक्ष का मंगल
किया गया। पत्रावली का अवलोकन
किया गया।

पत्रावली के अवलोकन से प्रत्यक्ष
में प्रार्थी रमेश चन्द्र का स्वयंसाक्षि दि
01/01/11 को हो चुका है जिसके मूल्य
प्रमाण पत्र की फोटो प्रति पत्रावली में
प्रार्थी के वकील द्वारा प्रस्तुत की गयी है।
परन्तु मूल रमेश चन्द्र प्रार्थी के कपम
मुकाम की कार्यवाही आज दिवस तक
नहीं की गई है ऐसी स्थिति में प्रार्थना
पत्र प्रार्थी रिविट हो चुका है और पत्र
घोष नहीं है।

अतः प्रार्थना पत्र प्रार्थी रमेशचन्द्र
द्वारा 184, 185 R 4 CPC एवं धारा 151 एवं
ओडिस 21 निपम 10 व 11 CPC रखाविज
किया जाता है। पत्रावली फैसल नुमा
होकर नम्बर से कय होकर वाप
रकमील दारिदल दफ्तर हो।


उपखण्ड अधिकारी
करोली (राज०)